No. of Printed Pages : 4 **BPY-001**

03754

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

June, 2018

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART - I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer **all five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answers to question no. 1 and 2 should not exceed **400** words.*

---

1. Explain the concept of Nishkama karma and Stithaprajna as discussed in Bhagavad Gita. **20**

OR

Explain the epistemology of Jainism. **20**

2. Give a detailed exposition of the age of Mantras, Brahmanas and Aranyakas. **20**

OR

How is creation explained in Aitareyopanishad ? Discuss in detail. **20**

3. Answer **any two** of the following in about **200 words** each :

(a) Discuss the nature of Brahman as described in Mundaka Upanishad. **10**

(b) Examine the concept of self or soul in charvaka materialism. **10**

(c) Give an account of Vyakarana, Chandas, and Nirukta. 10

(d) Attempt an overview of the basic teachings of Brihadaranyaka Upanishad. 10

4. Answer **any four** of the following in about **150 words** each.

(a) Describe the concept of prana in Prasna Upanishad. 5

(b) Explain briefly the Doctrine of dependent origination. 5

(c) Distinguish between Monotheism and Monism. 5

(d) Give a short account of the Political thought of Bhishma. 5

(e) What do you mean by the Sunyavada of the Madhyamikas ? 5

(f) Explain briefly the unique features of the Svetasvatara Upanishad. 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100 words** each :

(a) Mythology 4

(b) Smriti 4

(c) Moksha 4

(d) The bonds of Sat 4

(e) Buddhas views on karma 4

(f) Five kinds of knowledge in Jainism 4

(g) Identity of Jiva and Brahman 4

(h) Akshara Brahman 4

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2018
ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग-I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के अंक* ***समान*** *हैं।*

(iii) *प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए ।*

---

1. भगवद् गीता में विवेचित निष्काम कर्म एवं स्थितिप्रज्ञ के प्रत्ययों की व्याख्या करें। 20

अथवा

जैन-दर्शन की ज्ञान-मीमांसा की व्याख्या करें। 20

2. मन्त्रों, ब्रह्मणों और आरण्यकों की अवस्थाओं की विस्तृत व्याख्या प्रस्तुत कीजिए। 20

अथवा

ऐतरीय उपनिषद् में सृष्टि-निर्माण की विवेचना कैसे की गई है ? विस्तार से व्याख्या करें। 20

3. किन्हीं **दो प्रश्नों** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए।

   (a) मुण्डक उपनिषद् में वर्णित ब्रहम् की प्रकृति पर विमर्श कीजिए। 10

   (b) चार्वाक के भौतिकवादी दर्शन में वर्णित आत्मा के विचार का परीक्षण कीजिए। 10

(c) व्याकरण, छन्द और निरुक्त का विवरण प्रस्तुत कीजिए। 10

(d) बृहदारण्यक उपनिषद् की मुख्य शिक्षाओं को प्रस्तुत कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए।

(a) प्रश्न उपनिषद् में वर्णित प्राण के प्रत्यय का वर्णन कीजिए। 5

(b) प्रतीत्य समुत्पाद के सिद्धान्त की संक्षेप में व्याख्या कीजिए। 5

(c) ऐकेश्वरवाद और ऐकत्ववाद के मध्य अन्तर स्पष्ट करें। 5

(d) भीष्म के राजनैतिक विचारों को संक्षेप में समझाएँ। 5

(e) माध्यमिक दर्शन में विवेचित शून्यवाद से आप क्या समझते हैं? 5

(f) श्वेताश्वतर उपनिषद् के विशिष्ट लक्षणों कों संक्षेप में समझाएँ। 5

5. **किन्हीं पाँच** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(a) मिथकशास्त्र 4

(b) स्मृति 4

(c) मोक्ष 4

(d) सत् के बन्धन 4

(e) बुद्ध के कर्म सम्बधि विचार 4

(f) जैन-दर्शन में पांच प्रकार के ज्ञान 4

(g) जीव और ब्रह्म की तादात्म्यता 4

(h) अक्षर ब्रहम् 4